The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 4 | Issue 3 | March 2026
ISSN: 2583-973X (Online), SJIF IF: 5.6
Website: www.theacademic.in

महाविद्यालय छात्राओं के शैक्षिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया का प्रभावः विशेष खेतड़ी के संदर्भ में

श्रीमती मनप्रीत कौर (पीएचडी शोधार्थी)
डॉ. श्रुति पांडे (शोध पर्यवेक्षक)

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.19542914

ARTICLE DETAILS

Research Paper
Accepted: 28-03-2026
Published: 10-04-2026
Keywords:

ABSTRACT

सोशल मीडिया आज के युग का नवीनतम व बेहतर आविष्कार है। विश्व में जिस भी व्यक्ति के पास इंटरनेट तथा कंप्यूटर या फोन उपलब्ध है वह सोशल मीडिया के किसी न किसी प्लेटफार्म का उपयोग अवश्य करता है विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में शैक्षिक उद्देश्य हेतु सोशल मीडिया का बहुत उपयोग हो रहा है। यह शोध खेतड़ी क्षेत्र के महाविद्यालयों में अध्यनरत छात्राओं से संबंधित है। यह एक विश्लेषणात्मक तथा विवरणात्मक शोध है जो महाविद्यालय में अध्यनरत 502 छात्राओं पर किया गया। शोध में मुख्यतः सोशल मीडिया के चार एप व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, यूट्यूब तथा स्नैपचैट को शामिल किया गया। डाटा संग्रहण के लिए प्रश्नावली तैयार की गई तथा डेटा विश्लेषण के लिए स्वतंत्र टी टेस्ट व एक मार्गीय प्रसरण टेस्ट(वन वे इनोवा) का उपयोग किया गया। शोध में सर्वाधिक कला संकाय की छात्राएं तथा सबसे कम वाणिज्य वर्ग की छात्राएं थी। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र की छात्राओं का प्रतिशत (50%–50%) बराबर था। भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर विश्लेषण करने पर पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षा शहरी क्षेत्र की छात्राएं शैक्षिक ज्ञान अर्जन करने, सहपाठियों से चर्चा करने, शैक्षणिक प्रदर्शन में सोशल मीडिया का उपयोग बेहतर तरीके से कर रही हैं। इसी प्रकार विज्ञान संकाय व बी.एड. की छात्राएं के शैक्षिक ज्ञान अर्जन व प्रदर्शन पर अन्य संकायों की तुलना में सोशल मीडिया के उपयोग का अधिक सकारात्मक प्रभाव पाया गया। अध्ययन के वर्ष का सोशल मीडिया के शैक्षिक उपयोग पर सार्थक प्रभाव देखने को नहीं मिलता।

शोध परिचय

सोशल मीडिया इंटरनेट युग का नवीनतम व बेहतरीन आविष्कार है। सोशल मीडिया एक इंटरनेट प्लेटफार्म है जो सभी को एक दूसरे से जोड़ने, विचार व जानकारियां साझा करने तथा मिलकर कार्य करने में सहायता प्रदान करता है। सोशल मीडिया एक बेहद प्रभावशाली व व्यापक माध्यम है जो समाज के व्यक्तिगत, सामाजिक व्यवसायिक व आर्थिक जीवन में गहरी पैठ जमा चुका है। महाविद्यालय शिक्षा जगत भी इस प्लेटफार्म से अछूता नहीं है। सोशल मीडिया ने महाविद्यालय छात्राओं के जीवन को भी गहराई से प्रभावित किया है महाविद्यालय छात्राएं अपने जीवन के विविध क्षेत्र जैसे शैक्षणिक, सामाजिक, मनोरंजन व व्यावसायिक क्षेत्र में सोशल मीडिया का उपयोग करती हैं। सोशल मीडिया महाविद्यालय से संबंधित सूचनाओं को प्राप्त करने का एक त्वरित माध्यम है। ऑनलाइन कक्षाएं, प्रोजेक्ट, नोट्स व शैक्षिक जानकारी सोशल मीडिया पर आसानी से उपलब्ध हो जाती है। राजस्थान के शेखावाटी अंचल में स्थित खेतड़ी क्षेत्र जहां पारंपरिक मूल्यों तथा आधुनिकरण का जटिल संगम हो रहा है वहां विशेष रूप से महाविद्यालय छात्राओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव एक अत्यंत प्रासंगिक व गंभीर शोध का विषय है। इस क्षेत्र की ग्रामीण और शहरी पृष्ठभूमि से आने वाली छात्राएं व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और युट्यूब जैसे विभिन्न सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म का बहुतायत में निरंतर उपयोग कर रही हैं। यह शोध महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के शैक्षिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अत्यंत गहन सांख्यिकी और गुणात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

उद्देश्य

महाविद्यालय छात्राओं के शैक्षिक ज्ञान में प्रदर्शन पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन करना।

साहित्य समीक्षा

रिचर्डसन (2017) ने अपने अध्ययन में पाया यदि सोशल मीडिया का उपयोग उचित तरीके से किया जाता है तो यह छात्रों की सफलता को बढ़ाने में सहायक होता है, ज्ञान में बढ़ोतरी करता है, सूचना व संबंधों के माध्यम से उनके कल्याण में सुधार लाता है। सोशल मीडिया को पाठ्यक्रम के पूरक के रूप में उपयोग किया जा सकता है जिससे छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन व भागीदारी में वृद्धि होती है।

ऑउडर (2018) के अनुसार सोशल मीडिया से शिक्षक, कर्मचारी व छात्रों के बीच सही सूचना का संचार आसानी से होता है अधिकांश छात्र यूट्यूब व ट्विटर को शैक्षिक गतिविधियों के लिए सर्वोत्तम प्लेटफार्म मानते हैं। सोशल मीडिया से विचार, पाठ्यक्रम की समझ व विकास बेहतर होता है।

ओरुडे (2023) के अनुसार सोशल मीडिया छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन पर प्रभाव डालता है। 43% छात्रों का मानना था कि सोशल मीडिया से उन्हें पढ़ाई में मदद मिलती है जिसमें शैक्षणिक असाइनमेंट, शोध पत्र सेमिनार कक्षाएं, परीक्षाएं तथा शैक्षिक परियोजनाएं शामिल है। 29% छात्रों के अनुसार सोशल मीडिया पर उपलब्ध ज्ञान व

विचार उन्हें प्रभावित करते हैं। 25% छात्रों का मानना है कि सोशल मीडिया का उपयोग शैक्षिक गतिविधियों से विचलित करता है और 20% छात्रों को सोशल मीडिया समय बर्बादी का कारण लगता है।

रहमान (2025) के अनुसार सूचनाओं और संसाधन को साझा करने तथा सहयोगात्मक शिक्षण के माध्यम से शैक्षणिक सफलता प्राप्त करने में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। अध्ययन में 47% छात्र प्रतिभागियों का मानना था कि सोशल मीडिया का उनके शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सोशल मीडिया से सीखने का अनुभव बेहतर होता है हालांकि इसमें ध्यान भटकने तथा सोशल मीडिया के मनोरंजनात्मक उपयोग को भी नहीं नकारा जा सकता।

शोध कार्य पद्धति

वर्तमान शोध की जनसंख्या खेतड़ी क्षेत्र में संचालित कुल 13 महाविद्यालय की छात्राएं थी जिसमें से 502 छात्राओं को संरचित यादिच्छक नमूना पद्धति के द्वारा चुना गया। डाटा संग्रहण के लिए एक प्रश्नावली जिसमें वैकल्पिक प्रश्नों को सम्मिलित किया गया। डेटा विश्लेषण के लिए स्वतंत्र टी टेस्ट तथा एक मार्गी प्रसरण विश्लेषण टेस्ट (अनोवा) का उपयोग किया गया।

परिणाम व विश्लेषण

सारणी–1

जनसांख्यिकीय चर (Demographic Variable)	उप–श्रेणी (Sub-Category)	आवृत्ति (Frequency-N)	प्रतिशत (%)
भौगोलिक निवास क्षेत्र (Geographic Area)	ग्रामीण (Rural)	251	50.00%
	शहरी (Urban)	251	50.00%
अध्ययन का संकाय (Faculty of Study)	कला (Arts)	360	71.71%
	विज्ञान (Science)	60	11.95%
	वाणिज्य (Commerce)	30	5.98%
	शिक्षा (B.Ed.)	52	10.36%
कक्षा/अध्ययन का वर्ष	प्रथम वर्ष (1st Year –	146	29.08%

(Year of Study)	BA/BSc/BCom/BEd)		
	द्वितीय वर्ष (2nd Year – BA/BSc/BCom/BEd)	146	29.08%
	तृतीय वर्ष (3rd Year – BA/BSc/BCom)	120	23.90%
	अन्य स्नातकोत्तर (Others/PG)	90	17.94%
कुल योग (Total)		502	100%

शोध में ग्रामीण तथा शहरी छात्राएं को (50%–50%) शामिल किया गया। सबसे अधिक कला संकाय की छात्राएं (71.71%) तथा सबसे कम वाणिज्य संकाय की छात्राएं (5.98%) रही। प्रथम व द्वितीय वर्ष की छात्राएं सबसे अधिक (29.8%–29.8%) तथा स्नातकोत्तर की छात्राएं सबसे कम (17.8%) रही।

सारणी – 2

उप–परिकल्पना H_{01.1}: भौगोलिक क्षेत्र (ग्रामीण और शहरी) के आधार पर छात्राओं के शैक्षिक प्रदर्षन पर सोषल मीडिया के प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

निवास क्षेत्र	N	माध्य (Mean)	मानक विचलन (SD)	t-मूल्य (t-value)	df	p-मूल्य (Sig.)	सांख्यिकीय निर्णय
ग्रामीण (Rural)	251	18.45	4.20	–3.142	500	0.002	H_{01.1} निरस्त (Rejected)
शहरी (Urban)	251	19.68	4.55				

उप परिकल्पना के परीक्षण के लिए स्वतंत्र नमूना टी परीक्षण का उपयोग किया गया। जिसमें प्राप्त टी मूल्य –3.142 तथा पी मूल्य 0.002 है यह पी मूल्य 0.05 तथा 0.01 दोनों ही स्तरों मे कम है जो यह दर्शाता है कि परिणाम सांख्यिकी रूप से न केवल सार्थक बल्कि अत्यधिक सार्थक हैं। टी मूल्य का परिणाम (–3.142) यह संकेत

करता है कि ग्रामीण व शहरी छात्राओं के मध्य अंकों के बीच अंतर आकस्मिक नहीं है बल्कि वास्तविक व सांख्यिकी रूप से महत्वपूर्ण है इसका नकारात्मक चिन्ह यह स्पष्ट करता है कि ग्रामीण छात्राओं का औसत प्रदर्शन शहरी छात्राओं की तुलना में कम है। माध्य मान की तुलना करने पर ग्रामीण छात्राओं का औसत स्कोर 18.45 तथा शहरी छात्राओं का 19.68 है जो इस तथ्य को पुष्ट करता है कि शहरी छात्राएं सोशल मीडिया का उपयोग शैक्षिक दृष्टि से अधिक प्रभावी तरीके से कर रही हैं। पी मूल्य के आधार पर किया गया विश्लेषण यह दर्शाता है कि भौगोलिक क्षेत्र सोशल मीडिया के शैक्षिक प्रभाव को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है इसलिए शहरी छात्रों का प्रदर्शन ग्रामीण छात्राओं की तुलना में बेहतर पाया गया।

सारणी–3

उप–परिकल्पना $H_{01.2}$: अध्ययन संकाय के आधार पर छात्राओं के शैक्षिक प्रदर्षन पर सोषल मीडिया के प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

प्रसरण का स्रोत (Source)	SS (Sum of Squares)	df	MS (Mean Source)	F-मूल्य (F)	p-मूल्य (Sig.)	सांख्यिकीय निर्णय
समूहों के मध्य (Between)	185.40	3	61.80	4.825	0.003	$H_{01.2}$ निरस्त (Rejected)
समूहों के भीतर (Within)	6378.15	498	12.80			
कुल योग (Total)	6563.55	501				

उप परिकल्पना के परीक्षण हेतु एक मार्गीय प्रसरण विश्लेषण (वन वे अनोवा) का उपयोग किया गया। परिणाम के अनुसार एफ मूल्य 4.825 तथा पी मूल्य 0.003 है क्योंकि पी मूल्य 0.005 तथा 0.01 दोनों स्तरों से कम है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि विभिन्न संकायों की छात्राओं के शैक्षिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया का प्रभाव अलग–अलग पड़ता है। एफ मूल्य 4.825 यह दर्शाता है कि समूह के मध्य भिन्नता समूहों के भीतर की तुलना में अधिक है। अर्थात् विभिन्न संकायों के बीच शैक्षिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया का प्रभाव समान ना होकर अलग–अलग होता है।

सारणी–4

उप–परिकल्पना H_{01.3}: अध्ययन के वर्ष (प्रथम, द्वितीय, तृतीय) के आधार पर छात्राओं के शैक्षिक प्रदर्षन पर सोषल मीडिया के प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है। (नोटः इस विष्लेषण में केवल स्नातक के 412 छात्रों का डेटा प्रयुक्त है।

प्रसरण का स्रोत (Source)	SS	df	MS	F-मूल्य (F)	p-मूल्य (Sig.)	सांख्यिकीय निर्णय
समूहों के मध्य (Between)	45.20	2	22.60	1.652	0.193	H_{01.3} स्वीकृत (Accepted)
समूहों के भीतर (Within)	5595.60	409	13.68			
कुल योग (Total)	5640.80	411				

उप परिकल्पना के परीक्षण हेतु एक मार्गीय प्रसरण विश्लेषण वन वे अनोवा का उपयोग किया गया जिसमें पी मूल्य 0.193 प्राप्त हुआ जो पी मूल्य के 0.05 तथा 0.01 दोनों स्तरों से अधिक है। अर्थात अध्ययन के वर्ष का छात्राओं के शैक्षिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया के उपयोग का प्रभाव में सार्थक अन्तर नहीं होता। एफ मूल्य 1.65 का अपेक्षाकृत कम होना यह दर्शाता है कि समूहों के मध्य प्रथम द्वितीय तृतीय वर्ष भिन्नता तथा समूहों के भीतर पाए जाने वाली भिन्नता की तुलना में अधिक नहीं है। अतः यह कहा जा सकता है कि छात्रा चाहे प्रथम वर्ष में हो, द्वितीय या तृतीय वर्ष में सोशल मीडिया के शैक्षिक उपयोग की प्रवृत्ति में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं आता।

सारणी–5

कला संकाय विष्लेषण (Arts Faculty: N = 360)

(180ग्रामीण और 180षहरी छात्राओं का तुलनात्मक सांख्यिकीय विवरण)

अध्ययन आयाम	निवास क्षेत्र	N	माध्य (Mean)	माध्य विचलन (SD)	t-मूल्य	p-मूल्य (Sig.)
1. शैक्षिक प्रभाव	ग्रामीण	180	18.12	4.10	–2.856	0.005
	शहरी	180	19.35	4.05		

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है (पी मूल्य=0.005) अर्थात कला संकाय में सोशल मीडिया का शैक्षिक प्रभाव शहरी छात्राओं पर ग्रामीण छात्राओं से सार्थक रूप में अधिक पड़ता है।

सारणी–6

विज्ञान संकाय विष्लेषण (Science Faculty: N = 60)

(30ग्रामीण और 30षहरी छात्राओं का तुलनात्मक सांख्यिकीय विवरण)

अध्ययन आयाम	निवास क्षेत्र	N	माध्य (Mean)	माध्य विचलन (SD)	t-मूल्य	p-मूल्य (Sig.)
1. शैक्षिक प्रभाव	ग्रामीण	30	21.45	3.80	−0.685	0.496
	शहरी	30	22.10	3.55		

विज्ञान संकाय की ग्रामीण छात्राएं (माध्य=21.45) शहरी छात्राएं (माध्य=22.10) जो की अन्य संकाय की छात्राओं से अधिक है। इससे स्पष्ट होता है कि विज्ञान छात्राएं पूरे प्रतिदर्श में सोशल मीडिया के शैक्षिक उपयोग में सबसे आगे हैं।

सारणी–7

वाणिज्य संकाय विष्लेषण (Commerce Faculty: N = 30)

(15ग्रामीण और 15षहरी छात्राओं का तुलनात्मक सांख्यिकीय विवरण)

अध्ययन आयाम	निवास क्षेत्र	N	माध्य (Mean)	माध्य विचलन (SD)	t-मूल्य	p-मूल्य (Sig.)
1. शैक्षिक प्रभाव	ग्रामीण	15	18.50	3.20	−1.540	0.135
	शहरी	15	20.30	3.15		

वाणिज्य संकाय का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि शहरी छात्रों का स्कोर (माध्य=20.30) है। हालांकि यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं है लेकिन फिर भी हम कह सकते हैं कि वाणिज्य संकाय में शहरी छात्राएं ग्रामीण छात्रों की अपेक्षा सोशल मीडिया का शैक्षिक उपयोग अधिक प्रभावी तरीके से कर रही है।

सारणी–8

षिक्षा संकाय विष्लेषण (B.Ed. Faculty: N = 52)

(26ग्रामीण और 26षहरी छात्राओं का तुलनात्मक सांख्यिकीय विवरण)

अध्ययन आयाम	निवास क्षेत्र	N	माध्य (Mean)	माध्य विचलन (SD)	t-मूल्य	p-मूल्य (Sig.)
1. शैक्षिक प्रभाव	ग्रामीण	26	21.15	3.45	−1.150	0.255
	शहरी	26	22.25	3.40		

बी.एड. संकाय की शहरी छात्राओं तथा ग्रामीण छात्राओं के माध्य स्कोर में ज्यादा अंतर देखने को नहीं मिलता इसलिए कहा जा सकता है कि भौगोलिक क्षेत्र का बी.एड. की छात्राओं पर सोशल मीडिया के उपयोग पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है। दोनों ही समूह की छात्राएं शिक्षण सामग्री के लिए सोशल मीडिया का अत्यधिक और सकारात्मक उपयोग कर रही हैं।

सारणी 9

कक्षा/अध्ययन के वर्ष के आधार पर 6 आयामों व कुल प्रभाव का ANOVA विष्लेषण (N=502)

मूल्यांकन आयाम	प्रसरण का स्रोत (Source)	SS (Sum of Squares)	df	MS (Mean Squares)	F-मूल्य (F)	p-मूल्य (Sig.)	सांख्यिकीय निष्कर्ष
1. शैक्षिक प्रभाव	समूहों के मध्य (Between)	65.20	3	21.73	1.665	0.173	सार्थक अंतर नहीं
	समूहों के भीतर (Within)	6498.35	498	13.04			

उपरोक्त सारणी में हमें एफ वैल्यू 1.665 तथा पी वैल्यू 0.173 प्राप्त होती है जिससे पता चलता है कि अध्ययन के कारण सोशल मीडिया की शैक्षिक उपयोगिता तथा प्रभाव पर कोई सार्थक अंतर नहीं पड़ता।

निष्कर्ष

खेतड़ी क्षेत्र की छात्राओं के डेटा विश्लेषण से ज्ञात होता है कि सोशल मीडिया ज्ञान अर्जन, सहपाठी चर्चा, शैक्षिक प्रदर्शन में महत्वपूर्ण व सकारात्मक योगदान दे रहा है। ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षा शहरी क्षेत्र की छात्राएं सोशल मीडिया का उपयोग शैक्षिक उद्देश्य के लिए अधिक व बेहतर तरीके से कर पा रही हैं। इसी प्रकार विज्ञान तथा बी. एड. की छात्राएं अन्य संकायों की अपेक्षा सोशल मीडिया का शैक्षिक उपयोग अधिक अच्छे ढंग से कर रही है। जो उनके शैक्षिक प्रदर्शन तथा विषय में अतिरिक्त ज्ञान अर्जन में सहायक होता है। इससे उनके शैक्षिक कौशल बेहतर होते हैं तथा यह उन्हें शैक्षिक गतिविधियों में सहायता करता है।

संदर्भ

ओरुडे, पी.डी, अबरशी, डी.डी. (2023) "बाऊची स्थित फेडरल पॉलिटेक्निक छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया का प्रभाव "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्नोवेटिव साइंस एंड रिसर्च टेक्नोलॉजी, खंड (8) अंक (5)

ओउडर, एम. अब्बूसाबोर, ई. (2018) "छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया के उपयोग के प्रभाव का अध्ययनः तबुक विश्वविद्यालय का एक उदाहरण" अमेरिकन साइंटिफिक रिसर्च जर्नल फॉर इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज, खंड (40) संख्या (1), पृष्ठ 77–88

रहमान, टी. (2025) "पाकिस्तान में विश्वविद्यालय के छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया का प्रभाव, "सामाजिक विज्ञान अध्ययन की आलोचनात्मक समीक्षा, खंड (3), अंक (1) पृष्ठ 3426–3437

रिचर्ड र्डसन, सी. (2017) "कॉलेज के छात्रों की सहभागिता पर सोशल मीडिया के प्रभावों के बारे में छात्रों की धारणाएं" साउथ कैरोलिना यूनिवर्सिटी